कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

झारखण्ड

सत्र 2017–2018 से प्रभावी पाठ्यक्रम

स्नातक संस्कृत (सामान्य पास)
(General Pass Course)
पाठ्यक्रम

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System
(CBCS)

बी०ए० संस्कृत (सामान्य एवं पास कोर्स)

B.A. SANSKRIT (GENERAL PASS COURSE)

Course Content of Sanskrit

Under Choice Based Credit System

First Year	First Semester प्रथम समसत्र–1	Marks अंक	Credit	समसत्र द्वितीय Second Semester		Marks अंक	Credit
DSE-1A	संस्कृत व्याकरण	100	6	DSE-1B	संस्कृत साहित्य का इतिहास	100	6
DSE-2A		100	6	DSE-2B		100	6
AECC-I	MIL (Communication)	50	2	AECC	पर्यावरण Environmental Studies	50	2
MIL-I		100	6	MIL-2		100	6
Second Year	**Third Semester** तृतीय समसत्र			**Fourth Semester** चतुर्थ समसत्र			
DSE-1C	भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)	100	6	DSE-1D	गद्य काव्य	100	6
DSE-2C		100	6	DSE-2D	व्यक्तित्त्व विकास	100	6
SEC-1	Current Affair (OMR Sheet)	50	2	SEC-2		50	2
MIL-3		100	6	MIL-4		100	6
Third Year	**Fifth Semester** पंचम समसत्र			**Sixth Semester** षष्ठ समसत्र			
DSE-1E	आस्तिक दर्शन	100	6	DSE-1F	संस्कृत ज्ञान	100	6
DSE-2E				DSE-2F		100	6
SEC-3	झारखण्ड का इतिहास और संस्कृति	50	2	SSE-4	Computer Application	50	2
GE-1	आश्रम, संस्कार	100	6	GE-02	हितोपदेश	100	6
						TOTAL CREDIT	**120**

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

स्नातक–संस्कृत
रूचि आधारित साख पद्धति
सामान्य पाठ्यक्रम

Credit : 5+1 = 6
SAN-DSE-1A **पूर्णांक–100**

व्याकरण **DSE-1A**

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–एक अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) **शब्द रूप :–**

पाठ्यक्रम शब्द रूप – देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरूत् आत्मन, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।

2) धातु रूप – लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में।
पाठ्य धातु – पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, इन, हू, दिव्, रूध्, क्री, चुर् तथा सेव्।

3) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद।

4) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास (त्रिमुनि व्याकरण)।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–
सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

1) प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्य में वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे। $10 \times 1 = 10$

2) द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों के रूप देय होंगे, दस (10) शब्द पूछे जायेंगे। $3 \times 5 = 15$

3) तृतीय प्रश्न में किसी एक लकार में पाँच धातुओं के रूप देय होंगे–दस (10) धातुएँ पूछी जायेंगी। $3 \times 5 = 15$

4) चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी अनुवाद करें, दोनों से दो–दो अनुच्छेद पूछे जायेंगे।

5) पाँचवें प्रश्न में संस्कृत शास्त्रों के इतिहास से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

अनुशंसित पुस्तकें :–

1) संस्कृत में अनुवाद कैसे करें? उमाकान्त मिश्र शास्त्री, प्र० भारती भवन, पटना।
2) संस्कृत व्याकरण–श्रीधर वरिष्ठ।
3) वृहत् अनुवाद चन्द्रिका–चक्रधर हंस नौटियाल मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली।
4) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय।

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (सामान्य) द्वितीय समसत्र

B.A. Sanskrit (Pass) Second Semester

Credit : 5+1 = 6
SAN-DSE-1B पूर्णांक–100

DSE-1B

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगें, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास
(रामायण, महाभारत, महाकाव्य एवं गद्य काव्य)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ दस (1) प्रश्न पूछे जायेंगे। 1×10= 10

2) द्वितीय प्रश्न में कुल पाँच टिप्पणियाँ लिखनी हैं। कुल आठ टिप्पणियाँ पूछी जाएँगीं। 3×5=15

3) तृतीय प्रश्न में रामायण तथा महाभारत से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देना अपेक्षित होगा। 15

4) चतुर्थ प्रश्न में महाकाव्य एवं गद्य काव्य से दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 2 × 7½ = 15

5) पाँचवें से आठवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछें जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

अनुशंसित पुस्तकें :–

संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला।

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (सामान्य), तृतीय समसत्र

B.A. Sanskrit (Pass), Third Semester

Credit : 5+1

SAN-DSE-1C **पूर्णांक–100**

DSE-1C

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

भगवद्गीता

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :–

1) भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित वस्तुनिष्ठ दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे अथवा दस रिक्त स्थानों की पूर्ति दी जायेगी। $10 \times 1 = 10$

2) भगवद्गीता से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, एक एक उत्तर देय है। 15

3) तृतीय प्रश्न में भगवद्गीता से दो श्लोकों की हिन्दी व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जायेंगे। $2 \times 7½ = 15$

4) चतुर्थ प्रश्न में पाठ्ययांश से पाँच श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। आठ श्लोक पूछे जायेंगे। $5 \times 3 = 15$

5) पाँचवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश से कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

स्नातक (सामान्य) संस्कृति विभाग

B.A. Sanskrit (Pass) Fourth Semester

Credit : 5+1
SAN-DSE-1D पूर्णांक–100

DSE-1D

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : **5–L, 1-T**

कादम्बरी कथामुख, (आकर्ण्यताम् यदि कौतुकम् पर्यन्त)

बाणभट्ट – मोतीलाल बनारसीदास

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1) "कादम्बरी" से दस वस्तृनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। $10 \times 1 = 10$

2) "कादम्बरी" से एक गद्यांश की हिन्दी व्याख्या करें। दो गद्यांश पूछे जायेंगे। 15

3) कथामुख से एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 15

4) कादम्बरी से एक पात्र का चरित्र – चित्रण देय है, दो चरित्र पूछे जायेंगे। 15

5) कादम्बरी से दो गद्यांश का हिन्दी अनुवाद करें। चार अनुवाद पूछे जायेंगे। $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत स्नातक (सामान्य) पंचम समसत्र

B.A. Sanskrit (Pass) Fifth Semester

Credit : 5+1
SAN-DSE-1E पूर्णांक–100

DSE-1E

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

इस पत्र में कुल 08 (आठ) प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें चार (4) प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम

1) आस्तिक दर्शन का सामान्य परिचय

   (क) वेदान्त
   (ख) योग
   (ग) सांख्य

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य पर आधारित पस्तुनिष्ठ (रिक्त स्थानों की पूर्त्ति) दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। $10 \times 1 = 10$

2) द्वितीय प्रश्न में आस्तिक दर्शन से एक–एक प्रश्न के उत्तर देय होगा। तीन (3) प्रश्न पूछे जायेंगे। 15

3) तृतीय प्रश्न में वेदान्त दर्शन से पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय हैं। दस (10) प्रश्न पूछे जायेंगे। $5 \times 3 = 15$

4) चतुर्थ प्रश्न में योग एवं सांख्य दर्शन से पाँच लघूत्तरीय प्रश्न के उत्तर देय हैं। आठ (8) प्रश्न पूछे जायेंगे। $5 \times 3 = 15$

5) पाँचवें प्रश्न में आस्तिक दर्शन से चार (4) आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। किसी एक का उत्तर देय है। $5 \times 3 = 15$

अनुशंसित पुस्तकें :–

1) भारतीय दर्शन – चटर्जी एवं दत्त
2) भारतीय दर्शन की रूपरेखा – प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
3) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत स्नातक (सामान्य) षष्ठ समसत्र

B.A. Sanskrit (Pass) Sixth Semester

Credit : 5+1

SAN-DSE-1F पूर्णांक–100

DSE-1F

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : **5–L, 1-T**

संस्कृत

(1) अनुवाद
(2) निबन्ध
(3) पत्र
(4) वाक्य शुद्धि

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न में वाक्य शुद्धि से दस रिक्त स्थानों की पूर्त्ति देय। $10 \times 1 = 10$

2) द्वितीय प्रश्न में संस्कृत के दो अंश पूछे जायेंगे, किसी एक का हिन्दी अनुवाद देय है। 15

3) तृतीय प्रश्न में हिन्दी के दो अंश पूछे जायेंगे, किसी एक का संस्कृत अनुवाद देय है। 15

4) संस्कृत निबंध के लिए चार निबंध दिये जायेंगे, किसी एक पर संस्कृत निबंध लिखें। 15

5) सामान्य पत्र, आवेदन पत्र और व्यवसायिक पत्र तीन पत्र पूछे जायेंगे, किसी एक का संस्कृत में पत्र लिखें। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (सामान्य) पंचम समसत्र

B.A. Sanskrit (GEN) Fifth Semester

Credit : 5+1

SAN-GE-1 **पूर्णांक–100**

GE-1

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

संस्कार आश्रम

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

1) भारत का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन।
रामजी उपध्याय–चौखम्भा विद्या भवन।

2) संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला, प्र० मोतीलाल बनारसी दास।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) प्रथम प्रश्न में पाठ्यांश से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी के उत्तर देय हैं। $10\times1=10$

2) भारतीय संस्कृति में आश्रम व्यवस्था में से किन्हीं दो का संक्षिप्त परिचर्य दें। $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$

3) प्राचीन भारतीय समाज में आश्रम व्यवस्था पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

4) कोई तीन संस्कार पूछे जायेंगे, किसी एक संस्कार का महत्त्व प्रतिपादित करें। 15

5) पाँचवें प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश से पाँच टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी, किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें। $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

बी०ए० संस्कृत (पास) षष्ठ समसत्र

B.A. Sanskrit (GEN) Fifth Semester

Credit : 5+1

SAN-GE-2 **पूर्णांक–100**

GE-2

परीक्षा की अवधि – 3 घंटे
अंक – 70
व्याख्यान प्रति सप्ताह
घंटे : 5–L, 1-T

हितोपदेश (नारायण भट्ट प्रणीत)

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें पाँच प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या–01 (एक) अनिवार्य है।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1) "हितोपदेश" से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। $10 \times 1 = 10$

2) हितोपदेश के "कथामुख" से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

3) हितोपदेश से चार कथाएँ पूछी जायेंगी, किन्हीं दो कथाओं को लिखना है। $2 \times 7\frac{1}{2} = 15$

4) हितोपदेश से दस लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे। किन्हीं पाँच का उत्तर देय है। $5 \times 3 = 15$

5) संस्कृत कथा साहित्य पर चार प्रश्न पूछे जायेंगे। एक का उत्तर देय है। 15

आन्तरिक मूल्यांकन–30 अंक